भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 35**

उत्तर देने की तारीख 21 जुलाई, 2025

सोमवार, 30 आषाढ़, 1947(शक)

**उत्तर प्रदेश में आईटीआई और केवीके के माध्यम से प्रशिक्षित युवा**

35. **श्री इमरान मसूदः**

क्या **कौशल विकास और उद्यमशीलता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कौशल विकास केंद्रों (केवीके) के माध्यम से कौशल-संवर्धित किए जा रहे क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0, पीएमकेवीवाई 3.0 और पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, विशेषकर सहारनपुर जिले में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षित युवाओं की संख्या कितनी है और उक्त प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार प्राप्त करने वाले या विभिन्न उद्योगों में नियोजित होने वाले लाभार्थियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार के पास उक्त योजना के अंतर्गत स्वरोजगार या विभिन्न उद्योगों में नियोजित युवाओं की निगरानी के लिए कोई तंत्र मौजूद है; और

(घ) यदि हाँ, तो स्वरोजगार-प्राप्त युवाओं या कम से कम पाँच वर्षों से विभिन्न उद्योगों में लगातार नियोजित युवाओं का प्रतिशत कितना है?

**उत्तर**

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत नीचे दर्शाए गए विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है:

| | | | |
|---|---|---|---|
| एयरोस्पेस और विमानन | पेंट और कोटिंग्स | इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर | हस्तशिल्प और कालीन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| कृषि | पूंजीगत वस्तुएँ | खाद्य प्रसंस्करण | स्वास्थ्य सेवा |
| परिधान | निर्माण | फर्नीचर और फिटिंग | हाइड्रोकार्बन |
| ऑटोमोटिव | पर्यटन और आतिथ्य | रत्न और आभूषण | रबड़ और पेट्रोकेमिकल्स |
| ब्यूटी और वेलनेस | घरेलू कामगार | ग्रीन जॉब्स | सूचना प्रौद्योगिकी |
| बुनियादी ढाँचा उपकरण | लोजिस्टिक्स | दिव्यांगजन | खेल |
| लौह और इस्पात | प्रबंधन | प्लंबिंग | दूरसंचार |
| आईटी-आईटीईएस | मीडिया और मनोरंजन | विद्युत | वस्त्र और हथकरघा |
| चमड़ा | खनन | खुदरा | लाइफ साइंस |
| बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा | | इंस्ट्रूमेंटेशन ओटोमेशन सर्विलेंस और कम्यूनिकेशंस | |

(ग) और (घ): उत्तर प्रदेश राज्य और उसके सहारनपुर जिले में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और पीएमकेवीवाई (1.0, 2.0, 3.0 और 4.0) के अंतर्गत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या का ब्यौरा निम्नलिखित हैः

| | आईटीआई में नामांकित उम्मीदवार (शैक्षणिक सत्र 2018-2024) | पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त उम्मीदवार (शुरुआत से 30 जून 2025 तक) |
|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 21,61,826 | 25,06,438 |
| सहारनपुर, उत्तर प्रदेश | 88,083 | 58,946 |

वर्ष 2015-16 से वर्ष 2021-22 तक कार्यान्वित पीएमकेवीवाई के पहले तीन संस्करणों (पीएमवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0) में अल्पकालिक प्रशिक्षण घटक के अंतर्गत प्लेसमेंट को ट्रैक किया गया था। उत्तर प्रदेश राज्य और उसके सहारनपुर जिले में पीएमकेवीवाई (1.0, 2.0 और 3.0) के अंतर्गत रिपोर्ट किए गए नियोजित उम्मीदवारों का ब्यौरा इस प्रकार है:

| | रिपोर्ट किए गए नियुक्त उम्मीदवारों की संख्या |
|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 3,38,882 |
| सहारनपुर, उत्तर प्रदेश | 7,063 |

पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, हमारा उद्देश्य प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने में सक्षम बनाना और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से अभिविन्यस्त करना है। इसके अलावा, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) जैसे विभिन्न आईटी टूल्स भी यह अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का ब्यौरा संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है। सिद्ध के माध्यम से, उम्मीदवार नौकरियों और प्रशिक्षुता के अवसरों तक पहुँच प्राप्त

कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रमाणित उम्मीदवारों को नियुक्ति के अवसर प्रदान करने के लिए रोजगार मेले और पीएम राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेले (पीएमएनएएम) का आयोजन किया गया है।

एमएसडीई की प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) का मूल्यांकन नीति आयोग ने अक्टूबर 2020 में किया था। अध्ययन के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 94 प्रतिशत नियोक्ताओं ने बताया कि वे पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षित और अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त करेंगे। इसके अलावा, पूर्णकालिक/अंशकालिक रोजगार में रखे गए और पूर्व-अधिगम मान्यता (आरपीएल) घटक के अंतर्गत अभिविन्यस्त 52 प्रतिशत उम्मीदवारों को अधिक वेतन मिला या उन्हें लगा कि उन्हें अपने अप्रमाणित समकक्षों की तुलना में अधिक वेतन मिलेगा।

*****